

देहरादून का घंटाघर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में देहरादून के प्रतष्ठित घंटाघर की टकि-टकि बंद हो गई, क्योंकि चोरों ने इसके ताँबे के अंदरूनी हिस्से को तोड़ दिया।

मुख्य बदि

- ऐतहासकि महत्त्व:
 - इसका नरिमाण 1940 के दशक में हुआ था तथा इसका उद्घाटन वर्ष 1953 में [श्रीमती सरोजिनी नायडू](#) ने कथि था।
 - लाला शेर सहि द्वारा अपने पति लाला बलबीर सहि की स्मृति में बनवाया गया।
 - यह उन स्वतंत्रता सेनानरिों की याद दलिता है जिन्होंने [भारत की स्वतंत्रता](#) के लयि अपने प्राणों का बलदिन दयि।
- वास्तुशलिपीय डिजाइन:
 - षट्कोणीय संरचना जिसके छहों पक्षों पर एक-एक घड़ी है।
 - यह टावर लगभग 85 मीटर ऊँचा है, जिसकी घंटयिाँ पूरे शहर में गूँजती थीं।
 - घंटाघर शहर के वकिस का प्रतीक है और देहरादून के लयि गौरव का स्मारक है।



Drishti IAS

सरोजिनी नायडू

(13 फरवरी, 1879 - 2 मार्च, 1949)

संक्षिप्त परिचय

- एक राजनीतिक कार्यकर्ता, नारी अधिकारवादी, कवियत्री
- भारत कोकिला (**The Nightingale of India**) के रूप में लोकप्रिय

उनकी जयंती (13 फरवरी) को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

- वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हुईं।
- वर्ष 1925 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष (इनसे पूर्व वर्ष 1917 में गैर-भारतीय नारीवादी एनी बेसेंट)
- भारतीय-ब्रिटिश सहयोग के लिये गोलमेज़ सम्मेलन (1931) के दूसरे सत्र के लिये गांधी के साथ लंदन गईं, जो कि अनिर्णायक रहा
- नमक सत्याग्रह आंदोलन (1930) की एक प्रमुख नेता; धरासणा सत्याग्रह का नेतृत्व किया
- विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया

अन्य योगदान

- एक प्रसिद्ध कवयित्री: द गोल्डन थ्रेसहोल्ड (1905), द बर्ड ऑफ टाइम (1912), द ब्रोकन विंग (1912), इन द बाज़ार्स ऑफ हैदराबाद (1912)
- महिला अधिकारों का समर्थन: वर्ष 1927 में स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की सदस्य
- भारत की पहली महिला राज्यपाल: वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया

" We want deeper sincerity of motive, a greater courage in speech and earnestness in action "



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/dehradun-s-clock-tower>

